हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 5)(मंगल सक्सेना – नाटक में नाटक)
(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

1. पाठ से

प्रश्न कः

बच्चों ने मंच की व्यवस्था किस प्रकार की?

उत्तर कः

बच्चों ने मिल–जुलकर फालतू पड़े एक छोटे से सार्वजनिक मैदान में दूब व फूल–पौधे लगाए और वहीं एक मंच भी बना लिया ।

प्रश्न खः

पर्दे की आड़ में खड़े अन्य साथी मन–ही–मन राकेश की तुरत बुद्धि की प्रशंसा क्यों कर रहे थे ?

उत्तर खः

जब नाटक बिगड़ने लगा तब राकेश ने बात सँभाल ली । इसीलिए पर्दे की आड़ में खड़े अन्य साथी मन ही मन राकेश की तुरत बुद्धि की प्रशंसा कर रहे थे। दर्शक सब शांत थे, भौचक्के थे। वे सोच रहे थे यह क्या हो गया! वे तो समझ रहे थे कि नाटक बिगड़ गया, राकेश ने कहा कि यह तो नाटक में ही नाटक था। उसकी रिहर्सल ही नाटक था। मानो इस नाटक में नाटक की तैयारी की कठिनाइयों और कमजोरियों को ही दिखाया गया था ।

प्रश्न गः

नाटक के लिए रिहर्सल की जरूरत क्यों होती है ?

उत्तर गः

कोई भी नाटक बिना तैयारी के पूरा नहीं हो सकता उसके लिए पूरी तैसारी करनी पड़ती है दर्शकों का सामना करना पड़ता है ऐसे में कलाकार घबरा भी जाते हैं उनकी इसी घबराहट और झिझक को दूर करने के लिए रिहर्सल की जरूरत पड़ती है ।

2. नाटक की बात

जब नाटक में अभिनय करने वाले कलाकार भी नए हों, मंच पर आकर डर जाते हों, घबरा जाते हों और कुछ–कुछ बुद्धू भी हों, तब तो अधूरी तैयारी से खेलना ही नहीं चाहिए।

प्रश्न कः

ऊपर के वाक्य में नाटक से जुड़े कई शब्द आए हैं । जैस– अभिनय, कलाकार और मंच आदि।

तुम पूरी कहानी को पढ़कर ऐसे ही और शब्दों की सूची बनाओ। तुम इस सूची की तालिका इस प्रकार बना सकते हो। व्यक्तियों या वस्तुओं के नाम , काम, कलाकार , मंच अभिनय ।

उत्तर कः

व्यक्तियों या वस्तुओं के नाम	काम,
कलाकार ,मंच	अभिनय
चित्रकार , ब्रश , पेंट	चित्रकारी
संगीत , वायलिन	स्वर
राकेश	डायरेक्टर
मोहल्ले वाले	दर्शक

5. सोचो, ऐसा क्यों?

नीचे लिखे वाक्य पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो।

''राकेश को गुस्सा भी आ रहा था और रोना भी।''

कः

तुम्हारे विचार से राकेश को गुस्सा और रोना क्यों आ रहा होगा ? राकेश मंच पर पहुँच गया। सब चुप हो गए , सकपका गए।

उत्तर कः

राकेश ने नाटक के लिए बहुत मेहनत की थी लेकिन कलाकारों के ठीक से अभिनय न करने से उसे गुस्सा आ रहा था और रोना इसलिए आ रहा था क्योंकि उसकी अभी तक की सारी मेहनत बेकार होती दिख रही थी ।

''राकेश मंच पर पहुँच गया। सब चुप हो गए , सकपका गए।''

खः

तुम्हारे विचार से राकेश जब मंच पर पहुँचा, बाकी सब कलाकार क्यों चुप हो गए होंगे ?

उत्तर खः

राकेश नाटक का निर्देशक था और उसको मंच पर नहीं आना था लेकिन कलाकारों के खराब अभिनय के कारण उसे मंच पर आना पड़ा जिसे देखकर सभी कलाकार चुप हो गए।

''दर्शक सब शांत थे , भौंचक्के थे ''

गः

दर्शक भौंचक्के क्यों हो गए थे?

उत्तर गः

सब दर्शक राकेश को मंच पर देखकर भौंचक्के रह गए थे।

''मैंने कहा था न कि रिहर्सल में भी यह मानकर चलो कि दर्शक सामने ही बैठे हैं।''

घः

,राकेश ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर घः

राकेश ने कलाकारों के मनोबल को बढ़ाने और अंदर के डर को निकालने के लिए ऐसा कहा होगा ।

7. शब्दों का फेर

जब संगीत की स्वर लहरी गूँजती है तो पशु–पक्षी तक मुग्ध हो जाते हैं, शायर साहब! आप क्या समझते हैं संगीत को ? इस संवाद को पढ़ो और बताओ कि –

क:

कहानी में इसके बदले किसने, क्यों और क्या बोला? तुम उसको लिखकर बताओ।

उत्तर क:

जब संगीत की स्वर–लहरी गूँजती है तो पशु–पक्षी तक मुँह की खा जाते हैं, गाजर साहब! आप क्या समझते हैं हमें?

ख:

कहानी में शायर के बदले गाजर कहने से क्या हुआ ? तुम भी अगर किसी शब्द के बदले किसी अन्य शब्द का प्रयोग कर दो तो क्या होगा?

उत्तर ख:

कहानी में शायर के बदले गाजर कहने से शायर साहब को क्रोध आ गया । हम भी किसी शब्द के बदले यदि कोई अन्य शब्द बोल दे तो अर्थ का अनर्थ हो जाएगा ।

8. तुम्हारा शीर्षक

इस कहानी का शीर्षक 'नाटक में नाटक' है। कहानी में जो नाटक है तुम उसका शीर्षक बताओ।

उत्तर 8:

रिहर्सल का नाटक

10. वाक्यों की बात

नीचे दिए गए वाक्यों के अंत में उचित विराम चिह्न लगाओ-

क:

शायर साहब बोले उधर जाकर सुन ले न

उत्तर क:

शायर साहब बोले , उधर जाकर सुन ले न ।

ख:

सभी लोग हँसने लगे

उत्तर ख:

सभी लोग हँसने लगे।

ग:

तुम नाटक में कौन–सा पार्ट कर रहे हो

उत्तर ग:

तुम नाटक में कौन–सा पार्ट कर रहे हो ?

घः

मोहन बोला अरे क्या हुआ तुम तो अपना संवाद भूल गए

उत्तर घः

मोहन बोला , ''अरे ! क्या हुआ , तुम तो अपना संवाद भूल गए ।''